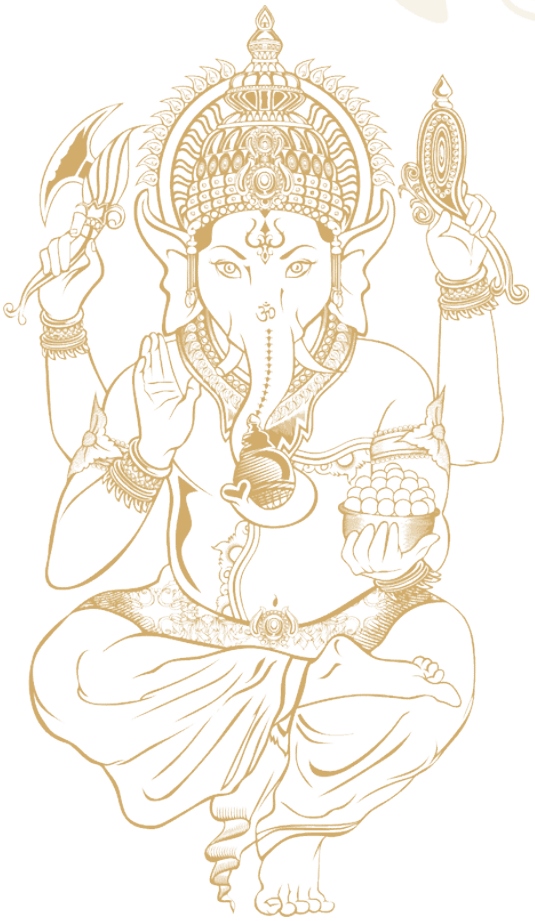

C

09 Oct 2001

10:35 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121268902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/10/2001**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**22:35:00 घंटे**
इष्ट	40:41:11 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:13:52 घंटे
वेलान्तर	00:12:42 घंटे
साम्पातिक काल	23:27:24 घंटे
सूर्योदय	06:18:31 घंटे
सूर्यास्त	17:57:59 घंटे
दिनमान	11:39:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	22:35:27 कन्या
लग्न के अंश	11:09:23 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	परिघ
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ङ--
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	11:09:23	323:55:22	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	---
सूर्य			कन्या	22:35:27	00:59:17	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	सम राशि
चंद्र			मिथु	16:39:13	13:35:17	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			धनु	24:10:08	00:38:25	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध	व	अ	तुला	01:52:31	00:59:13	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
गुरु			मिथु	20:53:19	00:04:33	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	28:58:31	01:14:07	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	शत्रु राशि
शनि	व		वृष	20:56:45	00:01:23	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु			मिथु	06:15:00	00:00:18	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	उच्च राशि
केतु			धनु	06:15:00	00:00:18	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	27:13:06	00:01:02	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	12:08:06	00:00:17	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	19:15:27	00:01:28	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	27:14:40	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:36

लग्न-चलित

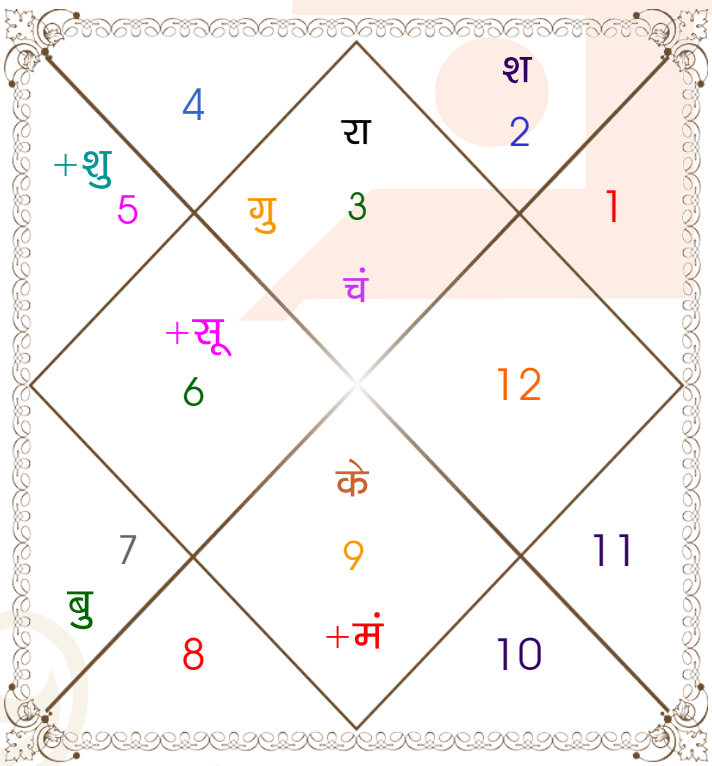

चन्द्र कुंडली

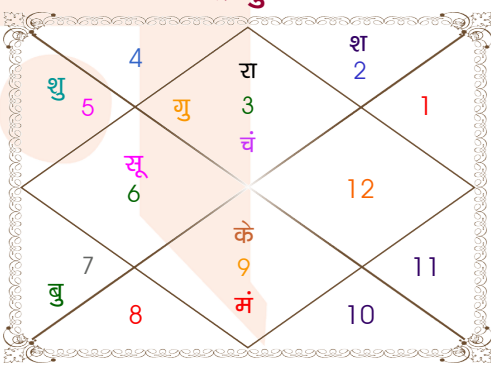

नवमांश कुंडली

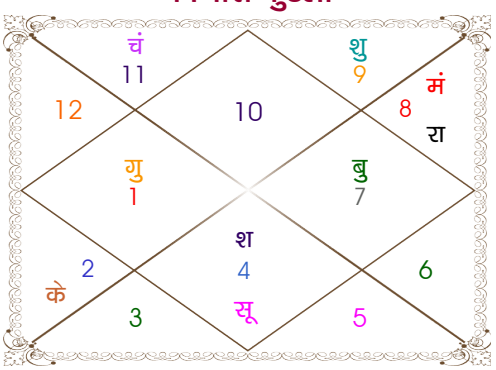

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 4 वर्ष 6 मास 6 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
09/10/2001		17/04/2006		17/04/2022		16/04/2041		17/04/2058	
17/04/2006		17/04/2022		16/04/2041		17/04/2058		16/04/2065	
	00/00/0000	गुरु	04/06/2008	शनि	19/04/2025	बुध	13/09/2043	केतु	13/09/2058
	00/00/0000	शनि	16/12/2010	बुध	28/12/2027	केतु	09/09/2044	शुक्र	13/11/2059
	00/00/0000	बुध	23/03/2013	केतु	05/02/2029	शुक्र	11/07/2047	सूर्य	20/03/2060
	00/00/0000	केतु	27/02/2014	शुक्र	07/04/2032	सूर्य	16/05/2048	चंद्र	19/10/2060
	09/10/2001	शुक्र	28/10/2016	सूर्य	20/03/2033	चंद्र	16/10/2049	मंगल	17/03/2061
शुक्र	03/11/2002	सूर्य	16/08/2017	चंद्र	19/10/2034	मंगल	13/10/2050	राहु	04/04/2062
सूर्य	28/09/2003	चंद्र	16/12/2018	मंगल	28/11/2035	राहु	01/05/2053	गुरु	11/03/2063
चंद्र	29/03/2005	मंगल	22/11/2019	राहु	04/10/2038	गुरु	07/08/2055	शनि	19/04/2064
मंगल	17/04/2006	राहु	17/04/2022	गुरु	16/04/2041	शनि	17/04/2058	बुध	16/04/2065

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
16/04/2065		16/04/2085		17/04/2091		17/04/2101		17/04/2108	
16/04/2085		17/04/2091		17/04/2101		17/04/2108		00/00/0000	
शुक्र	16/08/2068	सूर्य	04/08/2085	चंद्र	15/02/2092	मंगल	13/09/2101	राहु	29/12/2110
सूर्य	16/08/2069	चंद्र	02/02/2086	मंगल	15/09/2092	राहु	02/10/2102	गुरु	24/05/2113
चंद्र	17/04/2071	मंगल	10/06/2086	राहु	17/03/2094	गुरु	08/09/2103	शनि	30/03/2116
मंगल	16/06/2072	राहु	05/05/2087	गुरु	17/07/2095	शनि	17/10/2104	बुध	17/10/2118
राहु	17/06/2075	गुरु	21/02/2088	शनि	14/02/2097	बुध	14/10/2105	केतु	05/11/2119
गुरु	15/02/2078	शनि	02/02/2089	बुध	17/07/2098	केतु	12/03/2106	शुक्र	10/10/2121
शनि	16/04/2081	बुध	10/12/2089	केतु	15/02/2099	शुक्र	12/05/2107		00/00/0000
बुध	15/02/2084	केतु	17/04/2090	शुक्र	17/10/2100	सूर्य	17/09/2107		00/00/0000
केतु	16/04/2085	शुक्र	17/04/2091	सूर्य	17/04/2101	चंद्र	17/04/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 4 वर्ष 5 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के द्वितीय चरण में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ मकर का नवमांश एवं तुला का द्रेष्काण भी उदित था। फलस्वरूप स्पष्ट रूपेण यह विदित होता है कि आपका व्यक्तित्व विखंडित है। यदा-कदा आप अपने भरोशे ही निश्चित रूप से दूसरे व्यक्ति की संपत्ति अधिग्रहण करेंगे। आप किसी अन्य व्यक्ति को बुद्धिमत्ता पूर्वक अनुचित ढंग से बहुत लाभ उठाने के लिए अपने साथ संलग्न कर लेंगे। आप किसी प्रकार दो परस्पर विरोधी विशिष्ट कार्य संपादन कर सकेंगे। यह अनुमान कोई भी व्यक्ति नही लगा सकता है।

आप बहुत ही चुस्त चालाक व्यक्ति हैं। आप किसी भी व्यक्ति का अध्ययन का कलात्मक ढंग से उसकी भावना को अनुकूल रूपेण परिवर्तित कर देंगे।

आप गायन एवं नृत्य कला से आनंद प्राप्त करते हैं तथा आपकी विनोदी अर्थात् मनोरंजक वार्तालाप से अन्य लोग प्रभावित होते हैं। यह तथ्य पूर्ण विषय है कि आप किसी भी क्षेत्र में उच्चतम शिखर तक उन्नति प्राप्त करेंगे। लेकिन आप आत्मसंयम पूर्वक एकाग्र होकर किसी न किसी प्रकार कर्म व्यवसाय के लिए कोई न कोई (हल) मध्यमार्ग अपना कर तथा अन्य क्षेत्र को पार कर सफल हो जाएंगे। आपमें एक बड़ी दुर्बलता है कि आप किसी कार्य को आगे बढ़ाकर पीछे हट जाते है। यदि आप अपनी मनोभिलाषा को दृढ़ रखें तथा उच्चस्तरीय कार्य संपादन करें तो आप सफलता प्राप्त कर लेंगे।

आप में अन्य नकारात्मक दुर्गुण यह है कि आप अपनी चिड़-चिड़ापन प्रवृति के प्रति सतर्क नही रहते अस्तु अपनी मनोदशा में परिवर्तन लाएं।

आप अति शीघ्रता पूर्वक अपना धैर्य खो बैठते हैं। अर्थात् आपको धैर्य धारण करना चाहिए। इस प्रकार की प्रवृति से आपको आत्मनिर्भर होने में विलंब हो सकता है। इस प्रकार आपको समझ पाना उनके लिए दुष्कर है। क्योंकि आप उन पर अपना प्रभाव दोहरी नीति से डालकर आनंद प्राप्त करते हैं। यह भी विचारणीय है कि वास्तव में आपकी भावनाओं को सभी जन संक्षिप्त रूप से अन्यथा समझते है।

आपका रंग सांवला, दुबला-पतला शरीर एवं उच्च आकृति के प्राणी हैं। यह सत्य एवं प्रमाणित है कि विपरीत योनि के सदस्य आपकी आकर्षक आखों एवं रूचिकर आनंददायक बातों से प्रसन्न एवं आप से युक्त रहते हैं। परिणामस्वरूप आपके अनेक प्रेम संबंध है तथा आप पूर्ण रूपेण असंभाव्य रोमांचक एवं दुःसाहसपूर्ण रवैये के भुक्त भोगी है। आप घर में अपनी तानाशाही प्रवृत्ति के अनुकूल जीवन साथी पर नियंत्रण रखना चाहते हैं। जो आपकी कामुकता संबंधी स्वार्थ साधन का सहयोगी हो। परंतु जब पत्नी इसे स्वीकार नही करती तो आप कामवासना की पूर्ति हेतु घर से बाहर अपना संबंध का विस्तार करते हैं। आप घर से बाहर अपने प्रेम संबंधी को सावधानिक पूर्वक चयन करते हैं।

मिथुन लग्नादि से संबंधित प्राणी के लिए अनुकूल व्यक्ति वह है जिसका जन्म

सिंह, मेष, तुला एवं कुंभ राशि लग्न में हुआ हो। यदि आप समुचित जीवन साथी का चयन कर सके तो मात्र आपका जीवन ही शांति पूर्ण नही रहेगा बल्कि सर्वथा अच्छी संतान का सच्चा आनंद प्राप्त करेंगे। आपको अपने जीवन मार्ग पर अखंडित और बाधा रहित आनंदपूर्ण जीवन बिताने के लिए आपके जीवन की अनुकूल आयु पचीसवां वर्ष से उज्जवलतम है। सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। आपको अपनी स्वास्थ्य की रक्षा एवं सुख पूर्वक जीवन निर्वाह हेतु श्वांस रोग, दमा, कफ उदासीनता एवं स्वरभंग रोगादि को उत्पन्न नही होने देने की सतर्कता से बहुत दिनों तक स्वस्थ्य रहेंगे।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं चमत्कारिक है। परंतु अंक 4 और 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंग मोतिया, नीला, हरा पीला एवं गुलाबी रंग अनुकूल है एवं लाल रंग एवं काला रंग सर्वथा त्यागनीय है।